दैनिक भास्कर
नई दिल्ली 20-12-2024

देश-विदेश से आए विशेषज्ञों ने प्रबंधन शिक्षा और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में स्थिरता विषय पर की चर्चा

पर्यावरणीय पहल के साथ जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार होना चाहिए

भास्कर न्यूज | गुरुग्राम

07. गुरुग्राम। दीपप्रज्वलि कर सम्मेलन की शुरूआत करते अतिथि।

मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमडीआई) गुरुग्राम ने टीचिंग लर्निंग सेंटर (टीएलसी) और इंडियन एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट (आईएनडीएएम) ने संयुक्त रूप से गुरुवार को ''उभरती अर्थव्यवस्थाओं में स्थिरताः प्रबंधन शिक्षा में व्यावसायिक उत्कृष्टता को एकीकृत करना'' विषय पर चर्चा की। सम्मेलन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों से आए विद्वानों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों ने प्रबंधन शिक्षा में स्थिरता को शामिल करने के लिए नवीन दृष्टिकोण तलाशने के सम्बंध में अपने सुझाव दिए। चर्चा के दौरान एमडीआई गुरुग्राम के निदेशक प्रो. अरविंद सहाय ने प्रभावशाली शोध के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शोध में अपने जुनून को प्राथमिकता दें, साथ में यह भी सुनिश्चित करें कि यह प्रासंगिक और प्रभावशाली हो, खासकर उभरती अर्थव्यवस्थाओं में स्थिरता के संदर्भ में। यहां पर्यावरणीय पहल के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता में सुधार होना चाहिए। वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए व्यावसायिक विशेषज्ञों और समुदायों के साथ जुड़ें। आईएनडीएएम के अध्यक्ष और फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल बिजनेस के प्रोफेसर सुमित कुंडू ने वैश्विक रणनीति में नवाचारपूर्ण शोध और शिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज की चुनौतियों का समाधान करने के लिए हमें शोध और शिक्षण में सक्रिय दृष्टिकोण अपनाना होगा, जो बाजार में अग्रणी बनाने पर केंद्रित हो। जलवायु परिवर्तन और बदलते व्यावसायिक मॉडल को अपनी रणनीतियों में शामिल करना आवश्यक है, क्योंकि हम इन जटिलताओं से पार पाने की कोशिश कर रहे हैं। एस्टन यूनिवर्सिटी, यूके के एसोसिएट डिप्टी वाइस चांसलर, प्रो. पवन ने डॉक्टोरल छात्रों से अर्थपूर्ण शोध करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आपके पीएचडी के वर्ष वैश्विक चुनौतियों, जैसे स्थिरता, का समाधान करने का एक अवसर हैं। अल्पकालिक लक्ष्यों से आगे बढ़ें और वास्तविक प्रभाव बनाने के लिए अंतरविषयक सहयोग को अपनाएं। एमडीआई की डीन ऑफ रिसर्च, प्रो. ज्योत्स्ना भटनागर ने स्थिरता में प्रारंभिक करियर के अकादमियों को शामिल करने के महत्व पर जोर दिया।